सांवलिया जी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शानदार स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री ने विशाल जनसभा को संबोधित किया।

सांवलिया जी में मोदी की विशाल सभा, 50,000 लोग आए

प्र.मंत्री मोदी ने कहा चुनाव में हमारा एक ही चेहरा है, कमल का फूल

- **मोदी ने कमल के फूल को चेहरा बता कर एक बार फिर साफ कर दिया कि, पार्टी यहां किसी को भी मुख्यमंत्री प्रोजैक्ट नहीं कर रही है। इसे पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के लिए झटका बताया जा रहा है।**
- **मोदी ने सांवलिया जी में 7000 करोड़ रू. की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।**
- **मोदी ने राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री गहलोत पर कटाक्ष किए और कहा, गहलोत तो पूरे समय कुर्सी बचाने में लगे रहे और आधी से ज्यादा कांग्रेस उन्हें कुर्सी से गिराने की कोशिश करती रही।**

उदयपुर/मंडफिया, 2 अक्टूबर (कासं)। प्रदेश में विधानसभा चुनावों का बिगुल बजने से पहले भाजपा पूरी तैयारी में जुट गई है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चित्तौड़गढ़ जिले के प्रसिद्ध सांवलियाजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर भारी जनसभा को संबोधित किया, तथा सांवलिया जी में 7000 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने इस बार चुनाव में "कमल के फूल" को भाजपा का चेहरा बताया, वहीं कांग्रेस की गहलोत सरकार पर जमकर कटाक्ष किए। सभा में करीब 50 हजार की भीड़ जुटी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार सुबह विशेष विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचे जहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा चित्तौड़गढ़ रवाना हो गए।

पीएम मोदी ने सांवलिया जी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, राजस्थान एक ऐसा राज्य है जिसके पास अतीत की विरासत है, वर्तमान की ताकत है और भविष्य की संभावनाएं हैं। नाथद्वारा पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि, यह पर्यटन सर्किट का हिस्सा है, जिसमें जयपुर का गोविंद देव मंदिर, सीकर का खाटू श्याम मंदिर और राजसमंद का नाथद्वारा शामिल है। इससे राजस्थान का गौरव बढ़ेगा व पर्यटन उद्योग को लाभ होगा। स्वदेश दर्शन योजना के तहत सांवलिया सेठ मंदिर में विकास होने से तीर्थयात्रियों को और अधिक सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, राजस्थान का इतिहास हमें सिखाता है कि, हमें वीरता, गौरव और विकास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आज भारत इसी परिपाटी पर चल रहा है। मोदी ने कहा, आगामी चुनाव में हमारा एक ही चेहरा है और वह चेहरा है "कमल का फूल" और इस कमल के नेतृत्व में ही राजस्थान का भाग्य तेज गति से आगे बढ़ाएंगे। मोदी ने कहा कि हमारी उम्मीद व उम्मीदवार कमल ही है। भाजपा को जिताएंगे, इसी लक्ष्य के साथ हम सबको एकजुट होकर ताकत के साथ निकलना होगा। कहा जा रहा है कि, कमल को पार्टी का चेहरा बताने के साथ ही मोदी ने यहां पर सपने संजोएं बैठी वसुंधरा को दरकिनार करने का संदेश दिया है।

मोदी ने अपने भाषण में राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, मैं दुखी मन से कह रहा हूं कि, आज जब अपराध की बात आती है तो राजस्थान टॉप पर है। राजस्थान के लोगों को भ्रम में डालकर कांग्रेस ने यहां सरकार तो बना ली, लेकिन सरकार चला नहीं पाए। यहां गहलोतजी उठते-बैठते, सोते-जागते मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने में लगे रहे, वहीं आधी से अधिक कांग्रेस उन्हें गिराने में जुटी थी। वे जनता को अपने हाल पर छोड़ आपसी लड़ाई में ही व्यस्त रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चित्तौड़गढ़ जिले के सांवलियाजी में लगभग 7000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं में मेहसाणा-भटिंडा-गुरदासपुर गैस पाइपलाइन, आबू रोड में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का एलपीजी संयंत्र, अजमेर बॉटलिंग प्लांट में अतिरिक्त भंडारण, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) रेलवे और सड़क परियोजनाएं, नाथद्वारा में पर्यटन सुविधाएं और कोटा में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का स्थायी परिसर शामिल हैं।

'जिसकी जितनी हिस्सेदारी उसकी उतनी भागीदारी'

नीतीश कुमार ने कास्ट सर्वे रिपोर्ट जारी कर 2024 के आम चुनावों की राजनैतिक "थीम" निर्धारित की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **कास्ट सर्वे रिपोर्ट में ओ.बी.सी. व ई.बी.सी. (इकोनॉमिकली बैकवर्ड क्लास) की आबादी को 63 प्रतिशत बताया गया है। विपक्ष का मत है कि, यह कदम भाजपा के हिन्दुत्व पर भारी पड़ सकता है।**
- **अब यह मांग उठने की संभावना है कि, जनसंख्या के आधार पर ओ.बी.सी. का आरक्षण कोटा 27 प्रतिशत से बढ़ाया जाए।**

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। विधानसभा चुनावों से पहले जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और इंडिया गठबंधन ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी भूमिका तैयार कर ली है।

सर्वेक्षण में ओ.बी.सी. और ई.बी.सी. की अनुमानित जनसंख्या 63 प्रतिशत है जो भाजपा के हिन्दुत्व अभियान पर भारी पड़ सकती है क्योंकि अन्य राज्यों से भी जातीय जनगणना की मांग उठ रही है। कांग्रेस नीत कर्नाटक सरकार पूर्व की सिद्धारमैया सरकार द्वारा करवाई गई जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी करने की योजना बना रही है।

तमिलनाडू सहित कम से कम पांच राज्य सरकारी नौकरियों में सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशांतर्गत आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को लांघ चुके हैं। बिहार का सर्वेक्षण जारी होने के बाद यह मांग उठेगी कि ओ.बी.सी. की 27 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को उनकी जनसंख्या के अनुपात में बढ़ाया जाय।

सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने में पहल कर बिहार के मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ भाजपा की भी हवा निकाल दी है जो ओ.बी.सी. के 27 प्रतिशत आरक्षण कोटे में ही ई.बी.सी. का अलग कोटा बनाना चाहती थी, जस्टिस जी. रोहिणी आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुसार। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पार्टी की पूर्व की धारणा से अलग हटकर ओ.बी.सी. के लिए जातीय जनगणना की मजबूत वकालत कर रहे हैं। इससे कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में लाभ मिल सकता है।

पटना में जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी होने के बाद अलग-अलग जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति की रिपोर्ट जारी हो सकती है। इसमें सरकारी नौकरियों में विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व, उनकी शिक्षा और आर्थिक स्थिति जैसे मानदंड हो सकते हैं। बिहार की राजनीति में तो जोर शोर से यह मांग उठ रही है, "जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उतनी उसकी भागीदारी।" बिहार के वरिष्ठ प्रेक्षक ने कहा कि आगामी माहों में यह मांग पूरे देश में आग की तरह फैलेगी।

नवरात्रि में घोषित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यादव बालकनाथ शामिल है। राजस्थान में दो केन्द्रीय मंत्रियों अर्जुनराम मेघवाल और गजेन्द्र सिंह शेखावत को भी मैदान में उतारा जा सकता है और अटकलें हैं कि इनमें से कोई एक मुख्यमंत्री बन सकता है।

पार्टी छत्तीसगढ़ में 21 नामों की घोषणा कर चुकी है और दूसरी सूची शीघ्र जारी कर सकती है। पहले नेतृत्व वसुंधरा राजे की जगह चार बार सांसद रहे उनके पुत्र दुष्यंत सिंह को खड़ा करने की सोच रही थी लेकिन अब उसकी संभावना नहीं है क्योंकि पार्टी परिवार में से एक को ही टिकट देगी। पार्टी के सूत्रों ने कहा उम्मीदवारों की सूची जमीनी रिपोर्टों और सर्वेक्षणों के आधार पर बनाई गई है।

दिल्ली का 3 लाख रु. का इनामी आतंकी गिरफ्तार

- **बताया जाता है कि मोहम्मद शाहनवाज़ उर्फ शैफी उज्जमा के सम्बन्ध आई.एस. से हैं और वह किसी बड़ी वारदात करने की तैयारी में था।**

नयी दिल्ली, 2 अक्टूबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राजधानी में आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड करते हुए आई.एस.आई.एस. मॉड्यूल के एक मोस्ट वांटेड आतंकवादी सहित अन्य तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि, गिरफ्तार आतंकवादी का नाम मोहम्मद शाहनवाज़ उर्फ शैफी उज्जमा है। पुलिस ने शाहनवाज़ से पूछताछ के बाद तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। शाहनवाज़ पर तीन लाख रुपये का इनाम था। बताया जा रहा है कि, शाहनवाज़ और एक अन्य को जहां दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है, वहीं तीसरे संदिग्ध को दिल्ली के बाहर से दबोचा गया है। ये आतंकी मॉड्यूल उत्तर भारत में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक शाहनवाज़ पेशे से इंजीनियर है और राष्ट्रीय राजधानी का रहने वाला है। कुछ समय पहले पुणे पुलिस की कस्टडी से फरार हो गया था और तब से वह दिल्ली में ही रह रहा था।

नांदेड के सरकारी अस्पताल में 24 घंटों में 24 मरीजों की मौत

नांदेड़, 2 अक्टूबर। महाराष्ट्र में नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कथित रूप से दवाओं की कमी के कारण पिछले 24 घंटों में कम से कम 24 गंभीर रूप से बीमार मरीजों की मौत हो गयी। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि, मृतकों में 12 नवजात शिशु भी शामिल हैं। बताया जाता है कि, राज्य भर के सरकारी अस्पताल दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। इन सरकारी अस्पतालों में दवा सप्लाई करने वाली कंपनी हाफकिन इन्स्टिट्यूट ने दवाईयों की खरीदारी बंद कर दी है जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई है।

- **बताया जाता है कि, शंकर राव चव्हाण सरकारी अस्पताल में दवाओं की भारी कमी से यह हादसा हुआ है, मृतकों में 12 नवजात बच्चे भी हैं।**

'एक राष्ट्र, एक चुनाव को लागू करने में कोई जल्दबाजी नहीं'

- **'एक राष्ट्र एक चुनाव' के लिए गठित कमेटी के सदस्य गुलाम नबी आजाद ने कहा कि, अभी एक ही बैठक हुई है सभी की राय ली जाएगी। इस मुद्दे पर कोई जल्दबाजी नहीं है।**

श्रीनगर, 2 अक्टूबर। डेमोक्रैटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने सोमवार को कहा कि, देश में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" की अवधारणा को लागू करने में कोई जल्दबाजी नहीं है।

आज़ाद पूरे देश में एक साथ राष्ट्रीय और राज्य चुनाव कराने के लिए सरकार की "एक राष्ट्र एक चुनाव" अवधारणा की जांच करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्य हैं। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले महीने अपनी पहली आधिकारिक बैठक की।

उन्होंने कहा कि, समिति की केवल प्रारंभिक बैठक हुई थी और यह एक परिचयात्मक बैठक थी। उन्होंने कहा,मुझे नहीं लगता कि इसे लागू करने में कोई जल्दबाजी है, जैसा कि कुछ लोग सुझाव दे रहे हैं। राष्ट्रीय दलों, मान्यता प्राप्त दलों, क्षेत्रीय और अन्य दलों के साथ विचार-विमर्श किया जाना चाहिए तथा विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, यह गलत सूचना है कि समिति स्वयं निर्णय लेगी। उन्होंने कहा, हर किसी की राय मांगी जाएगी।

महिला आरक्षण विधेयक पर आजाद ने कहा कि, यह विधेयक तीन दशक देर से आया है। उन्होंने विधेयक पारित करने के लिए सरकार और अन्य सभी दलों की सराहना करते हुए कहा कि, देर हो गयी है। इसे 15 से 20 साल पहले आना चाहिए था। इसे 30 साल पहले भी आना चाहिए था। यूपीए के समय की तरह पहले के प्रयासों में भी कुछ घटक दल इसके खिलाफ थे। कोई एकमत नहीं था। अब, कम से कम सर्वसम्मति है और यह लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों में पारित हो गया।

हिमाचल के लाहौल में हिमपात

शिमला, 2 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। लाहौल की ऊंची चोटियों पर हल्का हिमपात हुआ है। शिमला में बारिश हुई और कुछ स्थानों पर ओले गिरे हैं। लाहौल-स्पीति व कुल्लू में हल्की बर्फबारी और बारिश हुई। मनाली में सुबह बारिश हुई।

- **मनाली-लेहमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोकी गई, हालांकि देर शाम सीमा सडक संगठन ने रास्ता खोल दिया।**

मनाली-लेह मार्ग पर वाहन आवाजाही को बर्फबारी के कारण जिंगजिंगबार से आगे रोक दिया गया है। बारालाचा दर्रे में बर्फ जमने से दारचा से आगे किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

देर शाम तक सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने बर्फ हटाकर रास्ता खोल दिया, लेकिन यातायात आवाजाही पर प्रशासन फैसला लेगा। दो से तीन दिनों में मानसून प्रदेश से विदा हो जाएगा। छह जिलों, कांगड़ा, ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, सोलन और सिरमौर में मानसून सीजन खत्म हो चुका है, जबकि जिला शिमला के निचले भागों से यह आंशिक रूप से जा चुका है। कुल्लू, किन्नौर, लाहौल-स्पीति, चंबा, मंडी और शिमला के ऊपरी क्षेत्रों से यह मानसून दो-तीन दिनों के भीतर विदा हो जाएगा। पिछले वर्ष भी 3 अक्तूबर को मानसून विदा हुआ था।

चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के साथ ही 2023 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरुआत हो गई है। शरीर-क्रिया विज्ञान एवं औषधि (फिज़िऑलजी एवं मैडिसिन) क्षेत्र के लिए 2023 का नोबेल पुरस्कार हंगरी मूल की जैव-रसायन वैज्ञानिक कैटलिन कारीको और अमेरिका के ड्रू वाइज़मैन को एम-आरएनए आधारित कोविड-19 वैक्सीन के विकास में उनके योगदान के लिए संयुक्त रूप से देने की सोमवार को घोषणा की गयी। नोबेल असेंबली के सचिव थॉमस पर्लमैन ने स्टॉकहोम के कोरोलिंस्का संस्थान में इस पुरस्कार की घोषणा की। दोनों वैज्ञानिकों को न्यूक्लियोसाइड आधारित संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के सम्मान के तौर पर यह पुरस्कार दिया जा रहा है। बयान के अनुसार उनकी खोज से करोना वायरस-कोविड-19 से बचाव के लिए एम-आरएनए टीकों के विकास में मदद मिली। कैटलिन कारीको मूल रूप से हंगरी की हैं और अमेरिका में बस गयी हैं। वे बायोकेमिस्ट हैं और उन्हें आरएनए के हस्तक्षेप से प्रभावित शारीरिक क्रियाओं की व्यवस्था का विशेषज्ञ माना जाता है। कैटलिन ने प्रोटीन उपचार के लिए इन विट्रो-ट्रांसक्राइब्ड एम- आरएनए के विकास पर शोध किया है। वे पैन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर हैं। अमेरिका के वैज्ञानिक वाइज़मैन ने पैन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय में ही कारीको के साथ मिल कर शरीर के अंदर न्यूक्लियोसाइड आधारित परिवर्तन पर अनुसंधान किया।

कर्नाटक में कांग्रेस भी जातिगत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुबानी जमा खर्च कर रही है लेकिन सबसे पिछड़े वर्ग के हितों की पूर्णतया अनदेखी कर रही है। राहुल ने कहा कि भारत सरकार के 90 सचिवों में से केवल 3 ओ.बी.सी. से होना समाज के वंचित वर्ग के प्रति अन्याय है। राहुल गांधी ने कहा कि जब तक जातीय जनगणना हकर हर जात की संख्या सामने नहीं आती। तब तक उनके लक्षित लाभकारी और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने वादा किया कि अगर केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो सबसे पहले जातीय जनगणना होगी।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में होने वाले विधानसभा चुनाव के मौके पर उठाए गए इस मुद्दे ने भाजपा को परेशान कर दिया है जिसकी पूर्व में सुनियोजित सोशल इंजीनियरिंग ने उसे देश भर में ओ.बी.सी. का भारत समर्थन दिलाया था जिससे उसे भारी बहुमत मिला।

कर्नाटक में कांग्रेस के सूत्र संकेत दे रहे हैं कि राज्य सरकार शीघ्र जातीय जनगणना रिपोर्ट जारी कर रही है। पिछली सिद्धारमैया सरकार (2013-2018) में जातीय जनगणना हुई अवश्य थी लेकिन कार्यकाल समाप्त होने तक जारी नहीं हो पाई।

हालांकि रिपोर्ट जारी करने में एक संशय यह है कि जातीय जनगणना के आंकड़े दो जातियों का प्रभुत्व कम कर सकते हैं-लिंगायत और वोक्कालिगा, क्योंकि असली आंकड़े इस धारणा को चुनौती दे सकते हैं कि राज्य की आबादी में उनका बड़ा हिस्सा है।

यह संशय अवश्य है कि, जातीय जनगणना के आंकड़ों से कुछ और आंतरिक विभाजन हो सकते हैं। जिससे आरक्षित सीटों में फेरबदल हो सकता है। अभी कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में से 36 आरक्षित हैं।

जनगणना के आंकड़े जारी करने के मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार एकमत हैं। कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व ओ.बी.सी. का मुद्दा इतनी मजबूती से उठा रहा है कि कर्नाटक राज्य सरकार तुरंत इस पर कार्रवाई करेगी।

लेकिन इससे यह तथ्य समाप्त नहीं हो जाता कि इसमें कई स्थानीय मुद्दे भी हैं जिससे जातीय आंकड़ों से राजनैतिक गठबंधन और सामाजिक शक्तियों का समीकरण बिगड़ सकता है। कुशल आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण और जातीय जनगणना के पक्ष में यह तर्क है कि इससे सरकार असमानताओं को कम कर सकेगी और ओ.बी.सी., दलितों, आदिवासियों और महिलाओं को राजनीति, प्रशासन और अन्य क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व दे सकेगी।

राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचने पर राणा के. पी. सिंह, सांसद गुरजीत सिंह औजला, इंटक नेता सुरिंदर शर्मा तथा अन्य नेताओं स्वागत किया। स्वर्ण मंदिर पहुंचने पर पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता वहां मौजूद थे। गांधी का अन्य धार्मिक स्थलों पर भी मत्था टेकने का कार्यक्रम है।

उनके इस दौरे के मद्देनजर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि, गांधी स्वर्ण साहिब में माथा टेकने के लिए अमृतसर आ रहे हैं। यह उनकी निजी और आध्यात्मिक यात्रा है, उनकी निजता का सम्मान करें। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे इस दौरान वहां न पहुंचे। अगली बार वे उनसे मिल सकते हैं।

पार्टी की अमृतसर इकाई के अध्यक्ष अश्वनी कुमार पप्पू ने कहा कि, गांधी स्वर्ण मंदिर आएंगे। पार्टी की ओर से हिदायत है कि, गांधी के निजी कार्यक्रम में कोई भी नेता नहीं होना चाहिए। इसलिए कोई भी पार्टी नेता उनके निजी कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेगा। राहुल गांधी अन्य धार्मिक स्थलों पर भी माथा टेकेंगे। इससे पहले राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी अमृतसर आए थे और स्वर्ण मंदिर में पीली पगड़ी पहन कर मत्था टेका था।

बिहार कास्ट सर्वे: भाजपा नेतृत्व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि रिपोर्ट का विस्तृत अध्ययन करने के बाद ही पार्टी अपनी प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा ने सर्वे का दृढ़ता से समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि "भाजपा ने सर्वे का पूर्ण समर्थन किया था। हम जब बिहार में सरकार का हिस्सा थे, तब हमने ही यह कार्य शुरु किया था।"

प्रकाशित डेटा से पता चला है कि बिहार की कुल आबादी में ओ.बी.सी. और ई.बी.सी. का 63 प्रतिशत का एक बड़ा हिस्सा है। विकास आयुक्त विवेक सिंह द्वारा पटना में जारी किए गए डेटा के अनुसार राज्य की कुल आबादी 13.07 करोड़ से थोड़ी ही अधिक है और उसमें से एक्सट्रीमली बैकवर्ड क्लासेस (ई.बी.सी.) 36 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा सामाजिक वर्ग है व उसके बाद अदर बैकवर्ड क्लासेस (ओ.बी.सी.) 27.13 प्रतिशत है।

सर्वे में यह भी बताया गया कि ओ.बी.सी. में आने वाले यादव, जिनसे उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का भी ताल्लुक है, वह कुल आबादी के 14.27 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा ओ.बी.सी. ग्रुप है।

दलित, जिन्हें अनुसूचित जाति के नाम से भी जाना जाता है, राज्य की कुल आबादी का 19.65 प्रतिशत है। राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लोगों की आबादी 22 लाख यानी कि 1.68 प्रतिशत है।

अनारक्षित वर्ग यानी कि सर्वविदित "सवर्ण" जिनका 1990 के दशक की मण्डल लहर तक राजनीति में दबदबा था की जनसंख्या कुल आबादी का 15.52 प्रतिशत है।

सर्वे में यह भी प्रतिपादित किया गया है कि राज्य की कुल आबादी में हिन्दुओं की संख्या 81.99 प्रतिशत है, जबकि मुस्लिम 17.7 प्रतिशत है।

अन्य धर्मों को मानने वाले ईसाई, सिख, जैन और अनीश्वरवादियों की आबादी की भी राज्य में नाम मात्र की उपस्थिति है। इन सभी की आबादी राज्य की कुल जनसंख्या के एक प्रतिशत से भी कम है।

"इण्डिया" गठबंधन के गठन में प्रसाद और कुमार दोनों की ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस गठबंधन ही हाल ही बैंगलुरु में हुई मीटिंग में जातिगत जनगणना की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी और उस प्रतिबद्धता को अब पूरा कर लिया गया है।

केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जब यह स्पष्ट कर दिया था कि वह जनगणना में एस.सी. और एस.टी. के अलावा अन्य जातियों के लोगों की गणना में समर्थ नहीं होगी, उसके बाद ही इस प्रकार का सर्वे कराने के पिछले वर्ष आदेश दिए गए थे।

इससे पहले सभी जातियों के लोगों की गणना वर्ष 1931 में की गई थी। जो लोग जातियों का नवीनत सर्वे कराने की मांग कर रहे है उनका यह जोर देकर कहना है कि स्वतंत्रता के बाद के युग में बेहतर जीवन प्रत्याशा वाले समाज के जिन कमजोर वर्गों की आबादी में अनुपातिक वृद्धि हुई है, उनके लिए एक नया आकलन बेहद जरुरी है।

राज्य मंत्रिमण्डल ने गत वर्ष 2 जून को एक जातिगत सर्वे का अनुमोदन किया था और इसके लिए 5 सौ करोड़ रुपयों की भारी भरकर राशि स्वीकृत की गई थी। सर्वे के काम में हल्का सा रोड़ा तब अटक गया था जब इस मुद्दे पर सुनवाई कर रहे पटना हाईकोर्ट ने सर्वे पर रोक लगा दी थी।

डिज़ाइन बॉक्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं, मुख्यमंत्री के अलावा किसी के साथ भी को-आपरेट करने से इन्कार कर रहे हैं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जो कि राज्य में संगठन के प्रभारी भी हैं, के साथ अपनी प्रचार योजनाओं को शेयर करने से भी इन्कार कर रहे हैं? अब यह देखना मजेदार होगा कि अशोक गहलोत इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं और क्या डिज़ाइन बॉक्स को अभी भी मुख्यमंत्री गहलोत का वरदहस्त प्राप्त होता रहेगा।

सीटों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य पार्टियों ने जातिगत जनगणना का मुद्दा जोर शोर से उठाया है, लेकिन इसे लेकर कई पार्टियों के बीच मतभेद हैं। भोपाल रैली के रद्द होने के बाद हुई पांच संयुक्त रैलियों में भी इस पर कोई चर्चा नहीं हुई। ऐसे संकेत हैं कि सीट शेयरिंग के निर्णय के लिए पार्टियों को नवम्बर माह में होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों तक इन्तज़ार करना होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908